आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–07 जुलाई 2024 सान्ध्य समाचार

हाथरस भगदड़ मामले में राज्य सरकार की तरफ से गठित न्यायिक जांच आयोग ने आज हाथरस में घटना क्रम को लेकर कई लोगों से पूछताछ की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित इस जांच आयोग के सदस्य कल से ही हाथरस में मौजूद हैं। इस आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हेमन्त राव और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भावेश कुमार सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं। कल उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ हाथरस के जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से जानकारी जुटायी थी। इस जांच आयोग को दो माह में अपनी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को देनी है।

****

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि जनवरी दो हजार पच्चीस में आयोजित होने वाला महाकुंभ भव्य और ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि आगामी महाकुंभ में देश और दुनिया से पचास करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री आज प्रयागराज के दौरे पर थे। यहां नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। श्री मौर्य ने कहा कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिये प्रदेश सरकार व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है।

****

नीट–यूजी की परीक्षा में अनिमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं और नये सिरे से परीक्षा आयोजित करने की मांग वाली याचिकाओं पर कल सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। उधर, केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में पहले से दाखिल अपने हलफनामें में परीक्षा रद्द न किये जाने की सिफारिश की है। मंत्रालय का कहना है कि नीट यूजी की परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने से वर्ष दो हजार चौबीस में परीक्षा देने वाले लाखों ईमानदार उम्मीदवार गम्भीर रूप से खतरे में पड़ जायेंगे। नीट यूजी की परीक्षा देश के पांच सौ इकहत्तर शहरों में चार हजार सात सौ पचास केन्द्रों पर आयोजित की गयी थी, जिसमें तेइस लाख से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हुए थे।

****

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की तरफ से केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, सीटेट आज प्रदेश के कई जनपदों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुयी। यह परीक्षा सुबह साढ़े नौ से बारह बजे तक तथा दोपहर बाद दो बजे से साढ़े चार बजे तक दो पालियों में आयोजित की गयी। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये सभी परीक्षा केन्द्रों पर व्यापक प्रबंध किये गये थे। गोरखपुर में केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा तिरासी केन्द्रों पर आयोजित की गयी। परीक्षा के दौरान कहीं से भी किसी तरह की दिक्कत की खबर नहीं है।

****

प्रदेश में परिषदीय स्कूलों के शिक्षक कल से टैबलेट पर चेहरा दिखाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे। फेस रिकग्निशन सिस्टम की मदद से उन्हें विद्यालय खुलने और बन्द होने, दोनों समय उपस्थिति दर्ज करानी होगी। बेसिक शिक्षा निदेशालय की तरफ से इस सम्बन्ध में आदेश जारी कर दिया गया है।

****

ओडिशा के पुरी में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा का अनुसरण करते हुए आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा श्रद्धा भाव के साथ निकाली गयी। गोरखपुर में विष्णु मंदिर से रथ यात्रा निकाली गयी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल भी शामिल हुए। गोरखपुर में गोलघर और बेनीगंज से भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रायें निकाली गयीं।

वाराणसी में इस अवसर पर रथ यात्रा मेले का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान जगन्नाथ को प्रिय वस्तुओं का भोग लगाकर आम जन की खुशहाली की कामना की गयी। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाले जाने के समाचार मिले हैं।

****

आसमान में छायी बदली के कारण कल मोहर्रम का चांद नही देखा जा सका था। ऐसे में उलेमा ने कहा है कि कल आठ जुलाई से मोहर्रम की शुरूआत होगी। इसकी दसवीं तारीख सत्रह जुलाई को पड़ेगी। मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर यानी हिजरी वर्ष का पहला महीना होता है।

****

बीते कुछ दिनों से हो रही मानसूनी बारिश के कारण प्रदेश की अधिकांश नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इसके साथ ही पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश के चलते उत्तराखण्ड और नेपाल से होकर आने वाली नदियां मैदानी क्षेत्र में उफान पर आ गयी हैं। इस बीच, उत्तराखण्ड के बनबसा बैराज से आज शाम शारदा नदी में एक लाख पचासी हजार चार सौ पचास क्यूसेक पानी छोड़े जाने से ट्रांस शारदा इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गये हैं। उधर, वाल्मीकिनगर बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण कुशीनगर जिले में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। गण्डक नदी का जलस्तर बढ़ने से खड्डा तहसील क्षेत्र में एनडीआरएफ की टीम को सतर्क कर दिया गया है। कुशीनगर में गण्डक नदी खतरे के निशान के बराबर बह रही है जबकि श्रावस्ती में राप्ती नदी खतरे के निशान से चौहत्तर सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बाढ़ के हालात के बीच कल रात श्रावस्ती में चलाये गये एक रेस्क्यू अभियान में बारह लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बारिश और बाढ़ के हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश जारी किये हैं।

****